भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

ल खत प्रश्न सं. 1417**#**

गुरूवार, 28 जुलाई, **202**2/06 श्रावण, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों का वकास

1417**#.** श्री समीर उरांवः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में स्थित पर्यटन स्थलों का वकास करने के लए कोई वशेष कार्य योजना तैयार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस योजना के माध्यम से स्थानीय जनजातीय आबादी के लए रोज़गार सृजन की संभावना है; और

(ग) वगत तीन वर्षों के दौरान झारखंड में पर्यटन स्थलों के वकास के लए ख़र्च की गई नि ध का ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय झारखण्ड सहित देश में पर्यटन अवसंरचना वकास के लए अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अ भयान संबंधी राष्ट्रीय मशन (प्रशाद)' योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यवक्षेत्र(यूटी) प्रशासनों/केंद्रीय एजें सयों को वत्तीय सहायता प्रदान करता है । उपरोक्त योजनाओं के तहत वकास के लए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और नि धयों की उपलब्धता, उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों का अनुपालन और पूर्व में जारी की गई नि धयों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है। झारखण्ड राज्य में स्वदेश दर्शन' और 'प्रसाद' योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण निम्नानुसार हैः-

(करोड़ रुपये में)

क्र. स.	योजना	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श	निर्मुक्त रा श
1.	स्वदेश दर्शन	2018-19	डलमा - बेतला राष्ट्रीय उद्यान- मर्चैया - नेतरहाट का वकास	34.12	26.37
2.	प्रशाद	2018-19	बैद्यनाथजी धाम, देवघर का वकास	39.13	31.23

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए, देश में स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों को वक सत करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के रूप में स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तृतीय पक्ष प्रभाव मूल्यांकन में यह उल्लेख है क यह योजना आजी वका के अवसरों को बढ़ाने में सक्षम रही है और निर्माण चरण में स्थानीय समुदायों के लए रोजगार सृजन करती है।

*****